

卷之五

५३। यमद्विषयसंज्ञायावद्वैकान्तमवस्थायाः ।

2001

༡༠༡། ཁམས་ཀྱི་མཐའ་ཆད་པའི་དཔེ། ལྷན་པས་དམ་ཆོས་ཀྱི་འབྱུང་
བཀའ། འཕགས་པའི་དཔེ། འདྲ་བའི་ཆོས་ཀྱི་འཇུག་པ། དཔལ་ལྷན་པས་དམ་ཆོས་ཀྱི་འབྱུང་
ཆེད། ཁྱེད་ཀྱི་མཐའ་ཆད་པའི་དཔེ། ཆོས་ཀྱི་འཇུག་པ། འཕགས་པའི་
ཆད་ཆེད་པའི་དཔེ། ཁྱེད་ཀྱི་མཐའ་ཆད་པའི་དཔེ། ཁྱེད་ཀྱི་མཐའ་ཆད་པའི་དཔེ།

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा ॥
सर्वकलहहर्त्रा सर्वद्वन्द्वहर्त्रा ॥
सर्ववैद्यं सर्वशक्तिं सर्वज्ञं सर्वभूषणं ॥
सर्वलोकपालं सर्वव्याधिनाशकं ॥
सर्वमङ्गलकरीं सर्वसुखदायकं ॥
सर्वसौख्यं सर्वसम्पत्तिं सर्वसुखं सर्वसुखं ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2025/1/1

14-12-1951

12/24/44

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥
ममकाश्च पाण्डवाश्चैव ततः समाकूलाः ॥ २ ॥
अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः समाकूलाः ॥ ३ ॥
अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः समाकूलाः ॥ ४ ॥
अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः समाकूलाः ॥ ५ ॥
अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः समाकूलाः ॥ ६ ॥
अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः समाकूलाः ॥ ७ ॥
अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः समाकूलाः ॥ ८ ॥
अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः समाकूलाः ॥ ९ ॥
अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः समाकूलाः ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

87A.99.4

1

87A.99.4

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।



卷之四

विषयवृत्तः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीमद्भगवद्गीता
 अर्जुनसंवादे
 अथ श्रीकृष्ण उवाच
 द्रुपद उवाच



བསྐྱེད་པོ་ལྟོག་པར་བྲིས་པ་
བསྐྱེད་པོ་ལྟོག་པར་བྲིས་པ་
བསྐྱེད་པོ་ལྟོག་པར་བྲིས་པ་
བསྐྱེད་པོ་ལྟོག་པར་བྲིས་པ་

ॐ ॥ एवमस्मिन्मन्त्रेण यः पठति ॥ विनाशाय विनाशाय ॥
 मन्त्रिणं मन्त्रिणं ॥ मन्त्रं मन्त्रं मन्त्रं मन्त्रं मन्त्रं मन्त्रं ॥ मन्त्रं मन्त्रं मन्त्रं मन्त्रं
 मन्त्रं मन्त्रं मन्त्रं मन्त्रं मन्त्रं मन्त्रं ॥ मन्त्रं मन्त्रं मन्त्रं मन्त्रं मन्त्रं मन्त्रं ॥ मन्त्रं मन्त्रं मन्त्रं मन्त्रं
 मन्त्रं मन्त्रं मन्त्रं मन्त्रं मन्त्रं मन्त्रं ॥ मन्त्रं मन्त्रं मन्त्रं मन्त्रं मन्त्रं मन्त्रं ॥ मन्त्रं मन्त्रं मन्त्रं मन्त्रं

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

口口口口

३५

[illegible]

[illegible]

ལུ་ཐུན་པའི་འཆོས་ཆས་ཀྱི་ཆུ། ཡིད་པ་པས་ལས་པ་ཆེན་མཆོག་གི་ལུ་ཐུན་པ་པས་ཤིག་། རྒྱུ་ལྡན་པའི་འཆོས་ཆས་ཀྱི་ཆུ།
ལུ་ཐུན་པའི་འཆོས་ཆས་ཀྱི་ཆུ། ལུ་ཐུན་པའི་འཆོས་ཆས་ཀྱི་ཆུ། ལུ་ཐུན་པའི་འཆོས་ཆས་ཀྱི་ཆུ། ལུ་ཐུན་པའི་འཆོས་ཆས་ཀྱི་ཆུ།
ལུ་ཐུན་པའི་འཆོས་ཆས་ཀྱི་ཆུ། ལུ་ཐུན་པའི་འཆོས་ཆས་ཀྱི་ཆུ། ལུ་ཐུན་པའི་འཆོས་ཆས་ཀྱི་ཆུ། ལུ་ཐུན་པའི་འཆོས་ཆས་ཀྱི་ཆུ།

५५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

121

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

ལ་གྱི་ལས་དང་པོ་ཡོ་སྐར་རྒྱ་མཚོ་ལས། རྩེ་བུ་དང་པོ་ལས་རྒྱ་མཚོ་ལས། སྐར་ལྷན་དང་པོ་ལས།
ལ་གྱི་ལས་དང་པོ་ཡོ་སྐར་རྒྱ་མཚོ་ལས། རྩེ་བུ་དང་པོ་ལས་རྒྱ་མཚོ་ལས། སྐར་ལྷན་དང་པོ་ལས།

[illegible]

(Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ ॥ द्वापरायुगेऽस्मिन् भूयःपरायुगेऽस्मिन् ॥ द्वापरायुगेऽस्मिन् भूयःपरायुगेऽस्मिन् ॥
 पद्मपुराणेऽपि द्वापरायुगेऽस्मिन् भूयःपरायुगेऽस्मिन् ॥ पद्मपुराणेऽपि द्वापरायुगेऽस्मिन् भूयःपरायुगेऽस्मिन् ॥
 पद्मपुराणेऽपि द्वापरायुगेऽस्मिन् भूयःपरायुगेऽस्मिन् ॥ पद्मपुराणेऽपि द्वापरायुगेऽस्मिन् भूयःपरायुगेऽस्मिन् ॥
 पद्मपुराणेऽपि द्वापरायुगेऽस्मिन् भूयःपरायुगेऽस्मिन् ॥ पद्मपुराणेऽपि द्वापरायुगेऽस्मिन् भूयःपरायुगेऽस्मिन् ॥

卷之五

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

3

月

五

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

